वी.यू. में 17 वीं राष्ट्रीय श्वान संगोष्ठी पर राष्ट्रीय कांग्रेस का संस्कारधानी में प्रथम बार आयोजन

जबलपुर। आज दिनांक 21 जनवरी 2020 को पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में त्रि–दिवसीय 17 वीं राष्ट्रीय श्वान संगोष्ठी पर राष्ट्रीय कांग्रेस का संस्कारधानी में प्रथम बार आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य **''वर्त्तमान परिपेक्ष में श्वानों के रोग निदान, चिकित्सा एवं कल्याण की दिशा बढ़ोत्तरी करना है।''**

इस कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय श्री तरूण भनोत जी, वित्त मंत्री, मध्यप्रदेश शासन के मुख्य आतिथ्य, प्रोफेसर डॉ. सी. बालाचंद्रन, कुलपति, तमिलनाडू, पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, चैन्नई के विशिष्ठ आतिथ्य, माननीय डॉ. होन्नप्पा, पूर्व कुलपति, कर्नाटक पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, बेगलेरू, डॉ. ए.के. श्रीवास्तव, जनरल सेक्रेटरी, ''इंडियन सोसायटी ऑफ एडवांसमेंट फार केनाइन प्रेक्टिसिस'', के विशिष्ठ आतिथ्य एवं माननीय प्रोफेसर डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति, ना.दे.पशु.चिकित्सा विज्ञान वि.वि., जबलपुर की अध्यक्षता में हुआ। इस कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष डॉ. आर.के. शर्मा, अधिष्ठाता, कार्यक्रम सचिव डॉ. पी.सी. शुक्ला, संचालक क्लीनिक्स एवं समन्वयक डॉ. अपरा शाही के प्रयासों से आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम का स्वागत भाषण डॉ. राजेश शर्मा, अधिष्ठाता के उद्बोधन से शुरू हुआ, जिसमें उन्होनें इस आयोजन पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डालते हुये कहा कि इस सत्रहवीं राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के लगभग सभी विभिन्न राज्यों से जिनमें मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, आसाम, तामिलनाडू, चेन्नई, बेंगलोर, राँची, उड़ीसा, जम्मू, छत्तीसगढ़ आदि से लगभग 300 से ज्यादा प्रतिभागी भाग

ले रहे हैं, जिनमें विभिन्न विषयों के शिक्षाविद, प्राध्यापक, अनुसंधानकर्त्ता, विषय विशेषज्ञ तथा निजी श्वान चिकित्सक मुंबई, दिल्ली, जम्मू, लखनऊ से उपस्थित हुये हैं। इनके अलावा विदेशी वैज्ञानिक भी रूमानिया से आयें हैं, यह ही नहीं संबंधित क्षेत्र के फार्मास्युटिकल कंपनियों के प्रमुखों की भी सहभागिता हो रही है। इस संगोष्ठी के अंतर्गत शिक्षाविदों द्वारा 30 शीर्ष शोध पत्रों (अग्रणी शोधपत्रों) का प्रस्तुतीकरण एवं पाठन होगा, तथा लगभग 200 शोध पत्रों का वाचन होगा। इस संगोष्ठी में शोध पत्रों के वाचन आठ सत्रों के अंतर्गत किया जावेगा साथ ही प्रत्येक तकनीकी सत्र में अलग से वैज्ञानिकों द्वारा श्वान चिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों में किये हुये शोध कार्यों को पोस्टर द्वारा भी प्रदर्शित किया जावेगा, ताकि श्वान से संबंधित नई–नई खोज की जानकारी उपलब्ध हो सके।

इस तरह श्वान संगोष्ठी का संस्कारधानी जबलपुर में यह प्रथम आयोजन एक अनुकरणीय पहल है। इस संगोष्ठी के 08 तकनीकि सत्रों के आयोजन से बहुआयामी विषय विशेषज्ञ, शोध कर्ता एवं श्वान प्रेक्टिशनर्स को एक छत के नीचे एकत्रित होकर श्वान चिकित्सा, पालन, देख–रेख, रोग, बचाव, टीकाकरण व्यवस्थापना, स्वच्छता, निरोगिता आदि से संबंधित समस्याऐं व सुझावों हेतु सभी का समागम होगा।

इस संगोष्ठी में अंर्तराष्ट्रीय वैज्ञानिक प्रमुखतः डॉ. यथिराज, (बैंगलोर) डॉ. प्रताभन (चैन्नई), डॉ. सूद, डॉ. एस.एन.एस. रंधावा (लुधियाना), डॉ. अरविंद श्रीवास्तव (लखनऊ) आदि की गरिमामय उपस्थिति हुई है। इस संगोष्ठी के साथ–साथ एक अन्य अविरत शिक्षा कार्यक्रम (कन्टीन्युस एजुकेशन प्रोग्राम) भी आयोजित किया जावेगा।

इस कार्यक्रम की श्रंखला में जहाँ डॉ. ए.के. श्रीवास्तव, सेक्रेटरी जनरल ने सोसायटी की रिपोर्ट प्रस्तुत की वहीं डॉ. एस. प्रताभन ने अपनी सोसायटी का अध्यक्षीय उद्‌बोधन दिया।

तदोपरांत मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा राष्ट्रीय श्वान संगोष्ठी पर राष्ट्रीय कांग्रेस की स्मारिका व अन्य प्रकाशनों का विमोचन किया गया। साथ ही इस कार्यक्रम में इंडियन सोसायटी ऑफ एडवांसमेंट फार केनायन प्रेक्टिसिस के अलंकरणों के तहत माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जूयाल, कुलपति, नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर को सोसायटी के सर्वोच्च अलंकरण **"फेलोसिप अवार्ड"** से सम्मानित किया गया साथ ही इस प्रकार कुल 32 अलंकरणों से देश के जाने–माने प्रख्यात पशुचिकित्सकों/केनायन पेट प्रेक्टिस नर्स को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की कड़ी में विशिष्ट अतिथि डॉ. सी. बालाचंद्रन ने अपने उद्‌गार व्यक्त करते हुये कहा कि वर्त्तमान परिपेक्ष में श्वानों के रोग निदान, चिकित्सा एवं कल्याण की दिशा में प्रगति करना है। साथ ही अपने उद्‌गार व्यक्त करते हुए कहा कि इस संगोष्ठी के अंतर्गत विभिन्न तकनीकि सत्रों के माध्यम से अनुशंसाएं एवं सिफारिशें प्राप्त होगी। उन्हे कार्यक्रम के उपरांत मध्यप्रदेश शासन एवं केन्द्र सरकार को प्रेषित की जावेंगी।

कार्यक्रम की श्रंखला में विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रताभन जी, चेन्नई ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि वर्तमान में अधिकांश पशुचिकित्सक प्राईवेट प्रेक्टिस नर्स के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे है। इस परिपेक्ष में पशुचिकित्सा के क्षेत्र में छात्र–छात्राओं एवं पशुपालको को कौशल विकास प्रशिक्षण की महती आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही आपने श्वानों में रेबीज तथा अन्य संक्रामक रोगों पर वार्षिक टीकाकरण कार्यक्रम के द्वारा रोगों पर नियंत्रण किया जा सकता है। इसी प्रकार शहरों में आवारा श्वानों की जन्म दर को "एनिमल वर्थ कंट्रोल" से नियंत्रित किया जा सकता है।

माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति जी अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुये बताया कि माननीय श्री तरूण भनोत जी, वित्त मंत्री म.प्र. शासन ने इस विश्वविद्यालय के हित में 02 डेयरी साइंस एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालयों की घोषणा व स्वीकृति तथा निकट भविष्य में मण्डला जिले में एक विटनरी पॉलीटेक्निक पत्रोपाधि पाठ्यक्रम महाविद्यालय की स्थापना का जो आश्वासन दिया तथा जो सुझाव विश्वविद्यालय के हित में दिए उन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, साधुवाद दिया। राष्ट्रीय कांग्रेस में देश–विदेश के प्रख्यात वैज्ञानिकों व पशुचिकित्सकों प्रतिभागियों की सहभागिता इस कांग्रेस की तकनीकि सत्रों तथा शोध पत्रों के वाचन से मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतीकरण के माध्यम से भावी रूप रेखा में दशा–दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगी। जिससे भविष्य में पशुचिकित्सक अपनी सेवाओं से समाज प्रदेश व देश की प्रगति में उत्तरोत्तर वृद्धि करने में सहायक सिद्ध होगें।

इस गरिमामय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री तरूण भनोत जी ने प्रकाश डालते हुये कहा कि इस संगोष्ठी में देश रोमानिया से आए वैज्ञानिकों का हृदय की गहराईयों से स्वागत किया तथा विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित शैक्षणिक, अनुसंधान तथा विस्तार कार्यो की प्रशंसा करते हुए कहा कि, यह विश्वविद्यालय मूक पशुओं की देखभाल, लालन–पालन, रोगों के निदान व उपचार में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस राष्ट्रीय कांग्रेस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए देश–विदेश के वैज्ञानिकों से अनुरोध किया कि छात्र–छात्राओं को नई तकनीकि उपलब्ध करावें साथ ही आपने छात्रों के लिए नयें पदों की भर्ती का भी आश्वासन दिया। विश्वविद्यालय को वित्तीय स्तर पर स्वावलंबी बनाने पर जोर दिया। ताकि नित नये अनुसंधानों के माध्यम से कृषकों/पशुपालकों को समृद्धि की ओर ले जाया सके। साथ ही मंत्री जी ने विश्वविद्यालय को समय–समय पर शासन की ओर से यथासंभव सहयोग का आश्वासन दिया

कार्यक्रम की श्रखंला के अगले चरण में राष्ट्रीय श्वान संगोष्ठी पर कांग्रेस के आयोजन के अवसर पर मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्हों से सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. अमिता तिवारी एवं आभार प्रदर्शन डॉ. पी.सी. शुक्ला, आयोजन सचिव द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम के अवसर पर विश्वविद्यालय व महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों, अधिष्ठातागणों, संचालकों, प्राध्यापकों, छात्र–छात्राओं, कर्मचारियों एवं संस्कारधानी के प्रेस व इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधियों की गरिमामय उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर (म.प्र.)